त्रिशला का सफरनामा

Journey of TRISHLA

समय चक्र

22 दिसम्बर 2005	:	'संवेदना' पंजीकृत हुआ।
19 मार्च 2006	:	'संवेदना' का उद्घाटन।
30 नवम्बर 2008	:	प्रयाग संगीत समिति में प्रथम कार्यक्रम।
12 जनवरी 2009	:	त्रिशला फिजियोथैरेपी क्लीनिक की शुरूआत।
4 दिसंबर 2010	:	सेरेब्रल पालसी पर पहले राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन।
27 नवम्बर 2011	:	अभिभावकों के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशाला की शुरूआत।
3 दिसंबर 2012	:	संवेदना को डा0 जे के जैन के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा सेरेब्रल पालसी के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिये पुरस्कृत किया गया।
3 अक्टूबर 2013	:	MNIIT संस्थान के साथ मिलकर विश्व सेरेब्रल पालसी दिवस का वृहद आयोजन।
2014	:	बांग्लादेश से सेरेब्रल पालसी से प्रभावित बच्चों के आने की शुरूआत।
12 अगस्त 2014	:	**त्रिशला फाउंडेशन का पंजीकरण।**
3 दिसंबर 2014	:	उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा डा0 जे के जैन को सेरेब्रल पालसी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने के लिये व्यक्ति विशेष की श्रेणी में पुरस्कृत किया गया।
3 मार्च 2015	:	होली उत्सव का भव्य आयोजन जो इसके बाद हर वर्ष किया जाने लगा।
2015	:	समाज में आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गो के शारीरिक दिव्यांगता से प्रभावित व्यक्तियों के लिये त्रिशला मेडिकल कार्ड एवं नेशनल ट्रस्ट द्वारा दिये जाने वाले निरामया कार्ड की सुविधा शुरू की गयी।
3 अक्टूबर 2015	:	पुलिस लाइंस में राष्ट्रीय सेरेब्रल पालसी दिवस मनाया गया।
2016	:	त्रिशला एक्टीविटी सेंटर एवं त्रिशला रिहैब सेंटर की शुरूआत हुई।
	:	अफ्रीकी देशों से सीपी प्रभावित बच्चों के आने की शुरूआत।
27 जून 2016	:	पहला राष्ट्रीय व्हील चेयर क्रिकेट टूर्नामेंट 'त्रिशला कप' का आयोजन किया गया।
	:	त्रिशला फाउंडेशन के वार्षिकोत्सव आयोजन की शुरूआत।
2017	:	त्रिशला अर्ली इंटरवेंशन सेंटर की शुरूआत।
	:	इनडोर एवं आउटडोर खेलों और विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन साप्ताहिक रूप से करने की शुरूआत।
3 दिसंबर 2017	:	त्रिशला सी.पी. गाँव के लिये संदृश्य दस्तावेज का विमोचन वार्षिकोत्सव के दौरान किया गया।
2018	:	डा0 जे के जैन को दो राज्य एवं दो राष्ट्रीय स्तर पर दिव्यांगता के क्षेत्र में काम करने वाली समितियों का सदस्य बनाया गया।
	:	केरल एवं तेलंगाना की टीमों ने फाउंडेशन का भ्रमण किया।
	:	एडवांस रिहैब सेटर का उद्घाटन हुआ।
22 जून 2018	:	विश्व योग दिवस मनाया गया।

सारांश

राष्ट्रीय संगोष्ठी	:	**9**
सी एम ई	:	**14**
कैम्प एवं लाभार्थी	:	**13 राज्यों में 160 से ज्यादा कैम्प एवं 20000 से ज्यादा लाभार्थी**
रिहैब सेंटर	:	**इलाहाबाद में 6 एवं त्रिशला फाउंडेशन के सुपरविजन में देशभर में 12 सेंटर जिसमें 5000 से ज्यादा लाभार्थी। विश्व के कई देशों (8) एवं देश के कई राज्यों (लगभग 25 से अधिक) से सेरेब्रल पालसी प्रभावित बच्चे त्रिशला फाउंडेशन में पुर्नवास के लिए आ रहे हैं।**

दैनिक जागरण इलाहाबाद

शुरू में हो पुर्नवास, छू मंतर हो जाय विकलांगता

सन् 2004 में त्रिशला की शुरूआत डॉ0 जितेन्द्र कुमार जैन के द्वारा विभिन्न कार्यशालाओं के माध्यम से की गयी। शुरूआती दिनों में सेरेब्रल पालसी से प्रभावित बच्चों के पुर्नवास में आशा से अधिक सफलता हासिल हुयी।

22 दिसम्बर 2005
संवेदना पंजीकृत किया गया ।

19 मार्च 2006 : तत्कालीन जिलाधिकारी श्री अमृत अभिजात द्वारा उद्घाटन किया गया।

1 दिसम्बर 2009 : त्रिशला फिजियोक्लीनिक की स्थापना हुयी।

20 दिसम्बर 2012
संवेदना को उत्कृष्ट कार्यो के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार मिला।

3 दिसम्बर 2014 : डॉ0 जितेन्द्र कुमार जैन उत्कृष्ट कार्यो के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार से सम्मानित किये गये ।

12 अगस्त 2014
त्रिशला फाउंडेशन पंजीकृत हुआ।

सेंटरों का उद्घाटन

सन् 2016
त्रिशला रिहैब सेंटर

सन् 2016
त्रिशला ऐक्टिविटी सेंटर

सन् 2017
त्रिशला अर्ली इंटरवेंशन सेंटर

सन् 2018
एडंवास रिहैब सेंटर

इसके अलावा लगभग 12 सेंटर देश के विभिन्न राज्यों में डॉ0 जैन के निर्देशन में चल रहे है।

3 दिसम्बर 2017
त्रिशला फाउंडेशन
के वार्षिक उत्सव
कार्यक्रम में
माननीय अतिथियों द्वारा
विजन डॉक्यूमेट पुस्तिका
का विमोचन किया गया।

त्रिशला सी.पी. गाँव
की परिकल्पना
बनकर तैयार हुई।

TRISHLA FOUNDATION
: www.trishlafoundation.com : jjain999@gmail.com : jjain999,Trishla Foundation: Cerebral Palsy : cerebralpalsy99

विभिन्न राज्यों में जनजागरूकता शिविर

Helping kids battle a 'damaged brain'

HT Correspondent

ALLAHABAD: UP cabinet minister Subhash Pandey said the Samvedna Trust was doing a wonderful job of providing latest treatment to kids suffering from cerebral palsy and helping them lead a normal life. He expressed these views while addressing an awareness programme at Samvedna Trust on the occasion of National Cerebral Palsy Day on Monday.

Pandey also said consultant orthopaedic physician and secretary of Samvedna Trust Dr Jitendra Jain must also be lauded for his efforts in this direction. The minister also assured of extending his support to Samvedna Trust in its effort to provide treatment to maximum children suffering from cerebral palsy.

Speaking on the occasion, MLA Anugrah Narayan Singh said it was a matter of pride that children from other states were also coming to Samvedna Trust for treatment.

CEREBRAL PALSY IS A CONDITION OF 'DAMAGED BRAIN' THAT INHIBITS THE NORMAL FUNCTIONING OF MOTOR SKILLS

Vice president of Uttar Pradesh Journalist Association Ratan Dixit urged the parents to not delay treatment of their kids if they were suffering from cerebral palsy or they could see any abnormality in them.

Vice-president of the trust Dr Dhanesh Agrahari also spoke about the symptoms of cerebral palsy. It may be mentioned that cerebral palsy was a condition of 'damaged brain' that inhibits the normal functioning of motor skills and leads to disablement in maintaining body posture. Children afflicted with cerebral palsy depict symptoms of late motor development skills and may also be hearing, speech and visually impaired accompanied by other associated diseases.

"Medical advancement has reached stupendous heights and one such phenomenal breakthrough has recently been achieved by means of the Orthopedic Selective Spasticity Control Surgery or OSSCS. The efficiency of this surgery has been witnessed not only in younger children, but among older groups ...

Dr Jitendra Jain with a kid suffering from cerebral palsy who's undergoing treatment at Samvedna Trust. HT PHOTO

... के अध्यक्ष शम्भुदयाल बड़गुर्जर ने धर्मसभा में उपस्थित होकर और श्रीफल भेंट कर मुनिपुंगव श्री ...र्वाद लिया। बड़ी संख्या में जयपुर ...कारियों ने श्रीफल भेंट कर जयपुर ... ललिता देवी चांदवाड परिवार ने किया। मंगलाचरण मिश्रा कोठारी ने किया। पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव के मंत्री रामपाल जैन ने बताया कि कल मालवीय नगर के दशहरा मैदान में मुनिश्री के प्रवचन प्रातः 7.40 बजे होंगे और सायं 6 से 7 बजे तक जिज्ञासा समाधान कार्यक्रम होगा।

निशुल्क चिकित्सा शिविर में 211 मरीजों की जांच

जयपुर (चार्स)। राजस्थान जैन सभा व निःशक्तजन कल्याण परिषद के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क चिकित्सा शिविर रविवार को नारायणसिंह सर्किल स्थित भट्टारक जी की नसियां में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया गया। शिविर में 211 मरीजों ने शिविर में जांच करवाई। राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष कमल बाबू जैन के अनुसार इस मौके पर दीप प्रज्जवलन धर्मश्रेष्ठी अल्का गोधा धर्मपत्नी अशोक जैन नेता ने किया। अध्यक्षता एडवोकेट खिल्लीमल जैन ने किया। शिविर में सेरेब्रल पालसी, जन्मजात विकलांगता व बच्चों से हड्डी रोग का उपचार सेरेब्रल पालसी रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र कुमार जैन ने दिया। इस मौके पर समाचार जगत के संस्थापक संपादक राजेन्द्र के. गोधा, समाजश्रेष्ठी ज्ञानचंद झांझरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। संचालन मनीष बैद ने किया।

दैनिक जागरण

कानपुर जागरण

बच्चों में मस्तिष्क पक्षाघात को देंगे मात

बाल भवन में सेरेब्रल पालसी पर लगा स्वास्थ्य शिविर नई तकनीक और व्यायाम की दी गई जानकारी

राष्ट्रीय सहारा

दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने में त्रिशाला की अनोखी पहल

अत्याधुनिक तकनीक से दिव्यांगता का इलाज

जबलपुर। लाइव रिपोर्टर

जो बच्चे सेरेब्रल पालसी या जन्मजात विकलांगता से परेशान हैं उनके इलाज के लिए बुनियादी स्कूल में निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इलाहाबाद से आए विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र कुमार जैन ने बताया कि अत्याधुनिक तकनीकों से इन बच्चों को काफी हद तक चलने-फिरने के योग्य बनाया जा सकता है। जरूरत है तो बस धैर्य व निरंतर इलाज की। डॉ. जैन ने बताया अभी तक वे लगभग 600 बच्चों को स्वास्थ्य लाभ दे चुके हैं। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. भास्कर खांडेकर आदि का सहयोग रहा।

उम्मीद की किरण से खिले

नवभारत

सेरेब्रल पालसी ग्रस्त बच्चों को ठीक करने लगा शिविर

विभिन्न राज्यों में 160 से ज्यादा निशुल्क शिविर

सेरेब्रल पॉल्सी का इलाज संभव : डॉ जैन

जन्मजात विकलांगता का इलाज भी अब संभव

मानस भवन में निःशुल्क सेरेब्रल पाल्सी शिविर में बोले विशेषज्ञ

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

75 बच्चों को निःशुल्क परामर्श एवं इलाजः डॉ. जैन

त्रिशला फाउंडेशन का निःशुल्क परामर्श एवं इलाज शिविर

समाचार जगत

inext

निशुल्क चिकित्सा शिविर में 211 मरीजों की जांच

सेरेब्रल पालसी में सिमलॉस तकनीक आशा की किरण

सब कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

विशेषज्ञ के पास ले जाएं, झाड़-फूंक वाले के पास नहीं

सेरेब्रल पालसी पीड़ितों के लिए हुए शिविर शुरू

मानसिक रूप से बेहतर बनाएं

मानव संवेदना होना जरूरी

सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित 150 बच्चों का शिविर में किया गया परीक्षण

प्रतापगढ़

सही इलाज से दूर हो सकती है विकलांगता

उत्साह में दूबे कांवड़िये गढ़ा लिए भी दिखे।

सही वक्त पर इलाज से दिव्यांगता खत्म

बरेली | वरिष्ठ संवाददाता

बच्चा बैठने, खड़े होने या चलने में देरी करता है या असहाय लगता है तो तत्काल उसे चिकित्सक को दिखाएं। समय से इलाज मिलेगा तो दिव्यांगता को खत्म किया जा सकता है। रविवार को ये बातें आईएमए में बाल अस्थि रोग एवं सेरेब्रल पॉलिसी विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र जैन ने प्रयास एक कोशिश, त्रिशला फाउंडेशन द्वारा आयोजित शिविर में जानकारी दी। मरीजों का चेकअप भी किया। मे अध्यक्षता डा. प्रमेंद्र माहेश्वरी ने की। डा. विमल भारद्वाज, डा. अनीता अजय, डा. अजय भारती, डा. नितिन, डा. विनय श्रीवास्तव आदि रहे।

रविवार को आईएमए में बाल अस्थि रोग एवं सेरेब्रल पॉलिसी शिविर आयोजित हुआ।

सेरेब्रल पालसी बच्चों की क्षमतायें

चित्रकला एवं मूर्तिकला प्रदर्शनी

बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम

खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेते बच्चे

TRISHLA FOUNDATION
: www.trishlafoundation.com : jjain999@gmail.com : jjain999,Trishla Foundation: Cerebral Palsy : cerebralpalsy99

होली के रंग त्रिशला के संग

राष्ट्रीय व्हील चेयर क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

क्रिसमस एवं नव वर्ष की धूम

वार्षिक उत्सव कार्यक्रम

बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए त्रिशला की पहल

बच्चों को समाज की मुख्य धारा में लाने का प्रयास

देश के विभिन्न भागों के बच्चे अपने पैरों पर खड़े हुए।

बाल हास्य कलाकार जय छनियारा ने अपनी व्हील चेयर छोड़ किया स्टेज कार्यक्रम

संसार

त्रिशला ने बनायी विश्व में अपनी पहचान

विभिन्न देशों के बच्चे यहां के इलाज से अपने पैरों पर खड़े हुए

देश के विभिन्न भागों में 40 से ज्यादा संगोष्ठियों का आयोजन

समाचार पत्रों में प्रकाशित लेख

विशेषज्ञों के लिए सतत चिकित्सीय शिक्षण अभियान

TRISHLA FOUNDATION
: www.trishlafoundation.com : jjain999@gmail.com : jjain999,Trishla Foundation: Cerebral Palsy : cerebralpalsy99

दिव्यांगता के क्षेत्र में डॉ. जितेन्द्र कुमार जैन की उपलब्धियाँ

डॉ0 जैन विभिन्न दिव्यांग सम्बन्धी समितियों के सदस्य बने

- डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय की सामान्य समिति के सदस्य
- मुख्य दिव्यांग जन आयुक्त भारत सरकार की सलाहकार समिति के सदस्य
- राज्य दिव्यांग शोध समिति उत्तर प्रदेश सरकार के सदस्य
- भारतीय पुर्नवास परिषद् की विशेषज्ञ प्रकोष्ठ के सदस्य
- तेलंगाना प्रदेश के आरोग्य श्री ट्रस्ट के बाल अस्थि रोग सर्जरी समावेश कमेटी के सदस्य

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा सेंटर का अवलोकन ।

प्रस्तावित योजना

त्रिशला सीपी गांव

वर्तमान समय में हमारे देश विशेषतया उत्तर प्रदेश में शारीरिक अक्षमता एवं सेरेब्रल पालसी से प्रभावित बच्चों के समुचित इलाज एवं पुर्नवास के लिए समग्र एवं अत्याधुनिक केन्द्र की व्यवस्था नहीं है। जबकि पूरे उत्तर भारत में ऐसे बच्चों की संख्या बहुत ज्यादा है। त्रिशला फाउंडेशन एक ऐसे केन्द्र की स्थापना करना चाहता है, जहाँ विश्व के किसी कोने से आए हुए ऐसे बच्चों को बिना किसी भेदभाव के एक ऐसे पुर्नवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाए जिससे बच्चों के साथ आए हुए उनके परिवार एक जगह रूककर बच्चों का इलाज एवं पुर्नवास कर सकें, जिससे उनकी दिनचर्या एवं पुर्नवास के नए-नए तौर तरीकों में प्रशिक्षण के साथ-साथ ऐसे बच्चों की शुरूआती पढ़ाई-लिखाई की व्यवस्था भी हो सके। जिससे कि वो बच्चे वापस अपने घर जाकर सामान्य बच्चों की तरह पढ़-लिख कर अपने पैरो पर खड़े हो पाएं। हम लोग इन सभी सुविधाओं को कई चरणों में बनाने की व्यवस्था कर रहे है।

TRISHLA FOUNDATION

182C/350A, टैगोर टाउन प्रयागराज उत्तर प्रदेश, भारत - 211001

दूरभाष : 0532&2468989, 9415014994, 9935209951, 9935102728

: www.trishlafoundation.com

: cerebralpalsy99

: trishlafoundation.cerebral palsy & jjain999

: jjain999@gmail.com